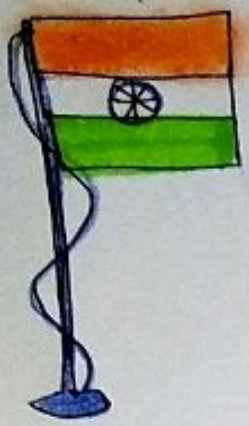

Poem on

Freedom fighters and their struggle

"लाल किले के आसपास है"
"आजादी का मेला"

"सबसे ऊपर बीच रहा है
"मेरे देश का तिरंगा"
"खूब अकेला"

"इस तिरंगे के खातिर ही"
"मेरे देश के वीरो ने"
"कष्ट बहुत था झेला"

"इन वीरों ने आजादी की
"खातिर बलिदान का"
"खेल था खेला"

"तभी तो आई थी घर भारती"
"के जीवन में आजादी की बेला"

"भगत सिंह, राजगुरु और
"सुखदेव जैसे "माँ भारती
केलाल थे"

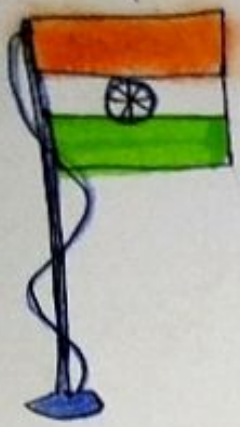

Poem on

Freedom fighters and their struggle

"चन्द्रशेखर आजाद, सुभाष चंद्र जैसे"
"वीर भी क्या कमाल थे"

"सत्य अहिंसा पर चलने
"वाले राष्ट्रपिता भी तो"
[redacted] बेमिसाल थे"

"इनकी ऐसी चाहत से"
"गोरे भी हैरान थे"
"आसान नहीं थी राहें"
"चारो ओर अंधेरा था"

"आजादी के दीवानों की"
"आँखो में एक नया सवेरा
"था।"
"भारत माँ के सपूतों ने अंग्रेजों को ऐसा
धोरा था।"

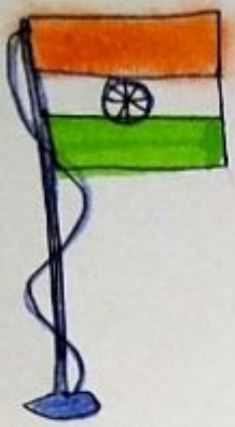

Poem on

Freedom fighters and thier struggle

"मिटने के लिए खड़ा हर एक"
"वीर मेरा था"

"झुका दिए गोरे"
"मेरे महानायक प्यारों ने"
"प्राण भी अपने"
"दे दिए मेरे गणनायक"
"दिलदारों नें"
"मिलगयी आजादी"
"आज के दिन'
आजाद हुआ था मेरा प्यारा देश।
जिस पर दुनिया गर्व करे
ऐसा मेरा प्यारा देश
वीरों वाला मेरा देश शहीदों वाला
मेरा देश!

JAI HIND

By - SAMRIDHI